जब तक आपको यह प्रश्न–पुस्तिका खोलने को नहीं कहा जाए तब तक न खोलें ।

2025

Question Booklet Bar Code Serial No.
प्रश्न–पुस्तिका बार कोड क्रम संख्या

1868649

कोड : TUKU-13

विषय : सामान्य अध्ययन एवं संस्कृत

भाग – I : सामान्य अध्ययन : प्रश्न संख्या 1 से 40

भाग – II : संस्कृत : प्रश्न संख्या 41 से 120

समय : 2 घण्टे

पूर्णांक : 300

अपना अनुक्रमांक सामने बॉक्स में लिखें

अंकों में

शब्दों में

प्रश्नों के उत्तर के लिए केवल **काले बॉल–प्वॉइंट** पेन का प्रयोग करें ।

अभ्यर्थी ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर उत्तर देने से पहले सभी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लें ।

अन्तरीक्षक के हस्ताक्षर	

आपको अपने सभी उत्तर **केवल ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक** पर ही देने हैं । परीक्षा के उपरांत ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक अन्तरीक्षक को सौंप दें तथा अभ्यर्थी प्रति (नीली) अन्तरीक्षक से प्राप्त कर लें ।

महत्त्वपूर्ण अनुदेश

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं । ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक और प्रश्न–पुस्तिका जिनकी बार कोड क्रम संख्या एकसमान है, सील्ड पारदर्शी पॉलीथीन पैकेट के अन्दर एक साथ रखी है ।
2. **पारदर्शी सील्ड पॉलीथीन पैकेट खोलने के तुरन्त बाद, पुनः जाँच करके देख लें कि प्रश्न–पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर मुद्रित बार कोड क्रम संख्या एकसमान हैं तथा सभी पृष्ठ भली–भाँति छपे हुए हैं । यदि प्रश्न–पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर मुद्रित बार कोड क्रम संख्या एकसमान न हों या इसमें अन्य कोई विसंगति हो, तो इसे अन्तरीक्षक को वापस कर प्रश्न–पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक की दूसरी सील्ड पॉलीथीन पैकेट प्राप्त कर लें ।**
3. अभ्यर्थी **प्रश्न–पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर मुद्रित बार कोड क्रम संख्या के एकसमान होने की पुष्टि करने के उपरान्त** ही ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर अपना सही अनुक्रमांक, विषय एवं विषय कोड निर्धारित स्थान पर अंकित करें, अन्यथा ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और उसकी ज़िम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी ।
4. अनुक्रमांक के अलावा प्रश्न–पुस्तिका के कवर पेज पर कुछ न लिखें । रफ कार्य के लिए प्रश्न–पुस्तिका के अन्त में दिए गए दो पृष्ठों का प्रयोग करें ।
5. **इस प्रश्न–पुस्तिका में 120 प्रश्न हैं ।** प्रत्येक प्रश्न के चार (4) वैकल्पिक उत्तर प्रश्न के नीचे दिए गए हैं । इन चारों में से केवल एक ही सही उत्तर है । जिस उत्तर को आप सही या सबसे उचित समझते हैं, ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक में उसके अक्षर वाले वृत्त को **काले बॉल–प्वॉइंट पेन** से पूरा काला कर दें ।
6. इस प्रश्न–पुस्तिका में भाग – I के प्रश्न अंग्रेज़ी व हिन्दी दोनों भाषाओं में मुद्रित हैं । द्विभाषी (अंग्रेज़ी/हिन्दी) में किसी भी प्रश्न में अस्पष्टता के मामले में प्रश्न का अंग्रेज़ी संस्करण प्रभावी होगा ।
7. **ग़लत उत्तरों के लिए दण्ड :**

   ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक में अभ्यर्थी द्वारा दिए गए ग़लत उत्तरों के लिए दण्ड दिया जाएगा ।

   (i) प्रत्येक प्रश्न के लिए चार वैकल्पिक उत्तर हैं । अभ्यर्थी द्वारा प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए एक ग़लत उत्तर के लिए प्रश्न हेतु नियत किए गए अंकों का **एक–तिहाई** दण्ड के रूप में काटा जाएगा ।

   (ii) यदि कोई अभ्यर्थी एक से अधिक उत्तर देता है, तो इसे **ग़लत उत्तर** माना जाएगा, यद्यपि दिए गए उत्तरों में से एक उत्तर सही होता है, फिर भी उस प्रश्न के लिए उपर्युक्तानुसार ही उसी तरह का दण्ड दिया जाएगा ।

   (iii) यदि अभ्यर्थी द्वारा कोई प्रश्न हल नहीं किया जाता है, अर्थात् अभ्यर्थी द्वारा उत्तर नहीं दिया जाता है, तो उस प्रश्न के लिए **कोई दण्ड नहीं** दिया जाएगा ।

नोट : कृपया प्रश्न–पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर मुद्रित बार कोड क्रम संख्या के एकसमान होने की जाँच कर ली जाए तथा बार कोड क्रम संख्या के एकसमान न होने की दशा में उसे बदलकर प्रश्न–पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक की दूसरी सील्ड पॉलीथीन पैकेट प्राप्त कर लिया जाए ।

Note : English version of the instructions is printed on the back cover of this Question Booklet.

Part – II / भाग – II
Sanskrit / संस्कृत

41. "टि" संज्ञाविधायकसूत्रमस्ति ।
(a) तच्चटे: (b) प्राक्टे:
(c) अचोन्त्यादि टि (d) टेरे

42. सामवेदस्य, उत्तरार्चिके प्रपाठका: सन्ति ।
(a) द्वादश (b) नव
(c) अष्टादश (d) पञ्चदश

43. अन्तिमस्तीर्थङ्कर: अस्ति ।
(a) वर्धमान: (b) अजितनाथ:
(c) अरिष्टनेमि: (d) नन्दिवर्धन:

44. "उद्धार-उधार, चतुर्वेदी-चौबे, वज्रबटुक-बजरबट्टू", इत्येतानि, उदाहरणानि, अर्थपरिवर्तनस्य कीदृशानि सन्ति ?
(a) अर्थोत्कर्षस्य
(b) अर्थादेशस्य
(c) अर्थविस्तारस्य
(d) अर्थापकर्षणस्य

45. **कथनम् I :** विद्यां चाविद्यां च यस्तद्वेदोभयँ सह ।
कथनम् II : अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययाऽमृतमश्नुते ।।
समुचितं विकल्पं चिनुत ।
(a) I & II उभे अपि असत्ये
(b) I सत्यम् II असत्यम्
(c) I असत्यम् II सत्यम्
(d) I & II उभे अपि सत्ये

46. क्रुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां योगे सम्प्रदाननिमित्तिका विभक्तिर्भवति ।
(a) द्वितीया (b) तृतीया
(c) पञ्चमी (d) चतुर्थी

47. अधोलिखितेषु महाकाव्यं किमस्ति ?
(a) मृच्छकटिकम् (b) पञ्चतन्त्रम्
(c) किरातार्जुनीयम् (d) मेघदूतम्

48. षड्विधसन्निकर्षेषु प्रथमो विद्यते ।
(a) संयोग:
(b) संयुक्तसमवाय:
(c) संयुक्तसमवेतसमवाय:
(d) समवाय:

49. तस्मिन्नद्रौ कतिचिद्बलाविप्रयुक्त: स कामी नीत्वा मासान् ... इत्यस्य तात्पर्यं किम् ?
(a) षड् मासान् (b) पञ्च मासान्
(c) अष्ट मासान् (d) दश मासान्

50. त्रिकर्मकृत् किम् तरति ?
(a) जन्ममृत्यू (b) मोहम्
(c) नरकम् (d) अविद्याम्

51. निद्रानिवृत्तावुदिते द्युरत्नेसखीजने द्वारपदं पराप्ते ।
श्लथीकृताश्लेषरसे भुजङ्गे ..... इति पद्येऽलङ्कार अस्ति ।
(a) विभावना (b) विशेषोक्ति:
(c) अपह्नुति: (d) दीपकम्

52. **कथनम् I :** अन्यदेवाहु: सम्भवादन्यदाहुरसम्भवात् ।
कथनम् II : इति शुश्रुम धीराणां ये नस्तद्विचक्षिरे ।
समुचितं विकल्पं चिनुत ।
(a) I & II उभे अपि असत्ये
(b) I सत्यम् II असत्यम्
(c) I असत्यम् II सत्यम्
(d) I & II उभे अपि सत्ये

53. भाषाविज्ञानानुसारेण ध्वनिपरिवर्तनस्य कारणानी लिखत ।

(a) चार (b) तीन

(c) दो (d) पाँच

54. "बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः" अत्र पद्यांशे कः अलंकारः ?

(a) उत्प्रेक्षा

(b) रूपकम्

(c) अर्थान्तरन्यासः

(d) उपमा

55. मेघदूते राजराजस्येति पदे प्रथमराजशब्दस्यार्थो विद्यते ।

(a) यक्षः

(b) कुबेरः

(c) अलकापुर्याः राजा

(d) इन्द्रः

56. "चिकर्तिषुः" इत्यत्र प्रकृतिप्रत्ययविषयकं विकल्पं चिनुत ।

(a) कृ + सन् + उ

(b) कृत् + सन् + उ

(c) क्रीञ् + सन् + उ

(d) डुकृञ् + सन् + उ

57. वेदान्ताभिमतप्रातिभासिकसत्तायामस्ति ।

(a) ब्रह्म

(b) ईश्वरः, जीवात्मा, स्वर्गः, नरकश्चेति

(c) अज्ञानशक्तिः आवरणं, विक्षेपश्चेति

(d) न किमपि

58. केवलसमासो भवति ।

(a) पूर्वपदार्थप्रधानकः

(b) उत्तरपदार्थप्रधानकः

(c) उभयपदार्थप्रधानकः

(d) विशेषसंज्ञाविनिर्युक्तः

59. अधोलिखितेषु कारकं न भवति ।

(a) कर्ता

(b) करणम्

(c) अधिकरणम्

(d) सम्बन्धः

60. **कथनम्** (A) : असूर्यानाम ते लोकाः भवन्ति ।

कारणम् (R) : देवादयोप्यसुरास्तेषाञ्च स्वभूता लोका असूर्या नाम ।

समुचितं विकल्पं चिनुत ।

(a) (A) & (R) उभे अपि सत्ये, कारणं कथनस्य सम्यक् व्याख्यानं करोति

(b) (A) सत्यम् (R) असत्यम्

(c) (A) असत्यम् (R) सत्यम्

(d) (A) & (R) उभे अपि सत्ये, किन्तु कारणं कथनस्य सम्यक् व्याख्यानं न करोति

61. कादम्बरीकाव्ये विदिशाभिधाना राजधानी कस्यास्ति ?

(a) तारापीडस्य

(b) वैशम्पायनस्य

(c) शूद्रकस्य

(d) चन्द्रापीडस्य

62. वैशेषिकदर्शनप्रवर्तकाचार्यः अस्ति ।

(a) जैमिनिः (b) कणादः

(c) श्रीधरः (d) सदानन्दः

63. "निराश्रया हन्त हता मनस्विता" इत्युक्तिः क्वास्ति ?

(a) शिशुपालवधे

(b) किरातार्जुनीये

(c) कुमारसम्भवे

(d) नीतिशतके

64. ''तदेजति, तन्नैजति, तद्दूरे, तद्वन्तिके'' इति मन्त्रे कस्य लक्षणमुक्तम् ?
(a) शरीरस्य
(b) जगत:
(c) इन्द्रियस्य
(d) आत्मतत्त्वस्य

65. प्रायेणान्यपदार्थसमासो विद्यते ।
(a) द्वन्द्व:
(b) द्विगु:
(c) बहुव्रीहि:
(d) अव्ययीभाव:

66. ''गत्यर्थकर्मणि चेष्टायामनध्वनि'' इति सूत्रस्योदाहरणमस्ति ।
(a) यगाय यष्टुं याति
(b) न त्वं तृणाम् मन्ये
(c) हरये रोचते भक्ति:
(d) ग्रामं ग्रामाय गच्छति

67. कथनम् (A) : ते प्रेत्यभिगच्छन्ति ।
कारणम् (R) : ये आत्महनो जना: ।
समुचितं विकल्पं चिनुत ।
(a) (A) & (R) उभे अपि सत्ये, किन्तु कारणं कथनस्य सम्यक् व्याख्यानं करोति
(b) (A) सत्यम् (R) असत्यम्
(c) (A) असत्यम् (R) सत्यम्
(d) (A) & (R) उभे अपि सत्ये, किन्तु कारणं कथनस्य सम्यक् व्याख्यानं न करोति

68. ''एधेध्वम्'' इति रूपं लकारे भवति ।
(a) लिट्लकारे
(b) लङ्लकारे
(c) विधिलिङ्लकारे
(d) लोटलकारे

69. ब्रह्मवेद इति नाम्ना प्रसिद्धोऽस्ति ।
(a) यजुर्वेद:
(b) सामवेद:
(c) अथर्ववेद:
(d) ऋग्वेद:

70. अधोलिखितेषु गृष्टिपदार्थोऽस्ति ।
(a) गरिमा
(b) सकृत प्रसूता गो:
(c) गरिष्ठता
(d) गौरवर्णता

71. वेदान्तदर्शनानुसारं साधनचतुष्टयं यथाक्रमं व्यवस्थापयत ।
I. मुमुक्षुत्व
II. शमादिषट्कसम्पत्ति:
III. इहामुभफलभोगविराग:
IV. नित्यानित्यवस्तुविवेक:
विकल्पा :
(a) II I III IV
(b) III IV I II
(c) IV III II I
(d) I II IV III

72. ''स्वधा'' शब्दयोगे विभक्तिर्भवति ।
(a) चतुर्थी
(b) तृतीया
(c) द्वितीया
(d) पञ्चमी

73. शिशुपालवधस्य प्रथमसर्गस्य ''नाम'' अस्ति ।
(a) श्रीनारसरस्वतीसम्भाषणम्
(b) श्रीकृष्णलक्ष्मीसम्भाषणम्
(c) श्रीकृष्णनारदसम्भाषणम्
(d) श्रीकृष्णयुधिष्ठरसम्भाषणम्

74. ईशावास्योपनिषदि, ''अन्धेन तमसाऽऽवृता:'' इति वाक्येन केषां लोकानां ग्रहणं भवति ?
(a) असूर्या इति लोकानाम्
(b) भूलोकानाम्
(c) द्युलोकानाम्
(d) अन्तरिक्षलोकानाम्

75. ''स्वामी दयानन्दसरस्वती'' मतानुसारेण वेदाः उद्भव कालं प्रति व्याख्यात

(a) पचीस हजार वर्ष ईसा-पूर्व

(b) सात हजार वर्ष ईसा पूर्व

(c) साढे तीन हजार वर्ष ईसा पूर्व

(d) सृष्टि का आरम्भ

76. विश्वस्य सर्वे भाषानुसारेण वर्गीकरणं कृतं ।

(a) पाँच भागों में (b) दो भागों में

(c) तीन भागों में (d) चार भागों में

77. ''एधेयाथाम्'' इति रूपमस्ति ।

(a) एध् धातोः लुङ्लकारस्य

(b) एध् धातोः लोट्लकारस्य

(c) एध् धातोः लिङ्लकारस्य

(d) एध् धातोः लङ्लकारस्य

78. गुणगुणिनोः सम्बन्धोऽस्ति ।

(a) व्यात्मत्वम् (b) समवायः

(c) स्वत्वम् (d) आधेयत्वम्

79. मैक्समूलरमहोदयाभिमतो वेदानां समयो वर्तते ।

(a) 6000 B.C. (b) 1200 A.D.

(c) 2500 B.C. (d) 1200 B.C.

80. ''शिवायों नमः'' इत्यत्र सूत्रं प्रवर्तते ।

(a) एचोऽयवायावः

(b) अवङ्स्फोटायनस्य

(c) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः

(d) ओमाङोश्च

81. ''व'' कारस्योच्चारणस्थानमस्ति ।

(a) ओष्ठौ (b) दन्तोष्ठम्

(c) कण्ठोष्ठम् (d) दन्ताः

82. सांख्यदर्शनाभिमतप्रमाणानि सन्ति ।

(a) द्वे (b) त्रीणि

(c) चत्वारि (d) एकम्

83. ''न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि'' इत्युक्तिः कुत्र प्राप्यते ?

(a) शुकानासोपदेशे (b) पञ्चतन्त्रे

(c) नीतिशतके (d) हितोपदेशे

84. अधोलिखितेषु खण्डकाव्यमस्ति ।

(a) शिशुपालवधम्

(b) मेघदूतम्

(c) शिवराजविजयम्

(d) कुमारसम्भवम्

85. मीमाँसासूत्रकारोऽस्ति ।

(a) जैमिनिः (b) पार्थसारथिमिश्रः

(c) शालिकनाथः (d) शबरस्वामी

86. ''पङ्गोश्च'' इति सूत्रस्योदाहरणमस्ति ।

(a) वामोरुः (b) श्वश्रूः

(c) पङ्गूः (d) करभोरुः

87. ''काव्यज्ञशिक्षयाभ्यास इति हेतुस्तदुभवे'' उक्तिरियं क्वास्ति ?

(a) काव्यप्रकाशे

(b) ध्वन्यालोके

(c) नाट्यशास्त्रे

(d) साहित्यदर्पणे

88. यदङ्गदाशुषे ..... भद्रं करिष्यसि इति वाक्यं सूक्तेऽस्ति !

(a) इन्द्रसूक्ते

(b) नासदीयसूक्ते

(c) अग्निसूक्ते

(d) वरुणसूक्ते

89. भाषोत्पत्ति विषये सर्वोपरि प्राचीन सिद्धान्तं अधोलिखितं ।

(a) दिव्योत्पत्ति सिद्धान्त
(b) रणन सिद्धान्त
(c) ध्वन्यनुकरण सिद्धान्त
(d) सङ्केत सिद्धान्त

90. ''महतीनाम्नी'' वीणा कस्यास्ति ?

(a) अर्जुनस्य (b) कार्तिकेयस्य
(c) बलरामस्य (d) नारदस्य

91. शकारस्याभ्यन्तरप्रयत्नोऽस्ति ।

(a) ईषत्स्पृष्टम् (b) ईषद् विवृतम्
(c) विवृतम् (d) स्पृष्टम्

92. ''कुमारसंभवम्'' इति महाकाव्यस्य प्रथमसर्गे श्लोकसंख्याऽस्ति ।

(a) पञ्चषष्ठिः (b) पञ्चाशत्
(c) द्विषष्ठिः (d) षष्ठिः

93. ''निरुक्त'' वेदस्य किम् उच्यते ?

(a) चक्षुः (b) पादौ
(c) हस्तौ (d) घ्राण

94. ''गङ्गायां घोषः'' लक्षणाभेदस्य उदाहरणं विद्यते ।

(a) प्रयोजनवती उपादानलक्षणा ।
(b) रूढिवती लक्षणलक्षणा ।
(c) अभिधान लक्षणा ।
(d) प्रयोजनवती लक्षणलक्षणा ।

95. ''कर्मणा पितृलोकः विद्येया जीवलोकः'' इति श्रुतिवाक्यं विद्यते ।

(a) बृहदारण्यकोपनिषदि
(b) मुण्डकोपनिषदि
(c) माण्डूक्योपनिषदि
(d) केनोपनिषदि

96. अधोलिखितेषु गद्यकाव्यमस्ति ।

(a) हर्षचरितम् (b) नलचम्पूः
(c) नीतिशतकम् (d) नैषधीयचरितम्

97. कथनम् (A) : अनेजदेकं ।
कारणम् (R) : मनसो जवीय इति ।
समुचितं विकल्पं चिनुत ।

(a) (A) & (R) उभे अपि सत्ये, कारणं कथनस्य सम्यक् व्याख्यानं करोति
(b) (A) सत्यम् (R) असत्यम्
(c) (A) असत्यम् (R) सत्यम्
(d) (A) & (R) उभे अपि सत्ये, कारण कथनस्य सम्यक् व्याख्यानं न करोति

98. ''पञ्चगङ्गम्'' इत्यत्र समासविधायकसूत्रमस्ति ।

(a) सहसुपा
(b) विशेषणं विशेष्येण बहुलम्
(c) सप्तमी शौण्डैः
(d) नदीभिश्च

99. महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि श्रीमद्भगवद्गीतोपदेशः प्रदत्तः ?

(a) द्रोणपर्वणि (b) वनपर्वणि
(c) भीष्मपर्वणि (d) सभापर्वणि

100. कथनम् (A) : अन्धतमः प्रविशन्ति ।
कारणम् (R) : येऽसम्भूतिमुपासते ।
समुचितं विकल्पं चिनुत ।

(a) (A) & (R) उभे अपि सत्ये, किन्तु कारणम् कथनस्य सम्यक् व्याख्यानं करोति
(b) (A) सत्यम्, किन्तु (R) असत्यम्
(c) (A) असत्यम्, किन्तु (R) सत्यम्
(d) (A) & (R) उभे अपि सत्ये, परन्तु कारणम् कथनस्य सम्यक् व्याख्यानं न करोति

101. बाह्ययत्ना: सन्ति ।

(a) अष्टं.
(b) दश
(c) एकादश
(d) षड्

102. रथाङ्गपाणि: क उच्यते ?

(a) श्रीकृष्ण:
(b) बलराम:
(c) अर्जुन:
(d) कार्तिकेय:

103. यदङ्गदाशुषे त्वमग्ने ..... इत्यत्र "दाशुषे" अर्थ: किम् ?

(a) वस्त्रदाता क्षत्रिय के लिए
(b) हविर्दान करने वाले यजमान के लिए
(c) गोदान करने वाले ब्राह्मणों के लिए
(d) धनदान करने वाले ब्राह्मणों के लिए

104. "नदति मधुरं चातकस्ते सगन्ध:" इत्यत्र सगन्धस्यार्थ: क: ?

(a) सुगन्धियुक्त:
(b) सगर्व:
(c) ससम्बन्धिन:
(d) सहयात्री

105. "इकारस्य" उच्चारणस्थानमस्ति ।

(a) दन्ता:
(b) तालु
(c) कण्ठ:
(d) मूर्धा

106. आचार्या विश्वनाथाभिमतकाव्यस्वरूपमस्ति ।

(a) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुन: क्वापि ।
(b) काव्यस्यात्मा ध्वनि: ।
(c) वाक्यं रसात्मकं काव्यम् ।
(d) शब्दार्थौ सहितौ वक्रकविव्यापारशालिनि ।

107. **कथनम् I :** जिजीविषेच्छतं समा: ।

कथनम् II : कुर्वन्नेवेह कर्माणि ।

कथनम् III : एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति ।

कथनम् IV : न कर्म लिप्यते नरे ।

एतेषु कति असम्यक् ?

(a) केवलम् द्वे
(b) त्रीणि
(c) न किमपि
(d) एकम्

108. "यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत्क्वचित्" इति प्रसिद्धि: कस्य काव्यस्यकृते ?

(a) श्रीमद्भागवतस्य
(b) महाभारतस्य
(c) श्रीमद्भगवद्गीताया:
(d) रामायणस्य

109. शुद्धं विकल्पं चिनुत ।

सूची – I	सूची – II
A. पुष्येभ्य: स्पृहयति	1. आख्यातोपयोगे
B. अध्ययनात् पराजयते	2. जनिकर्तु: प्रकृति:
C. उपाध्यायात् अधीते	3. स्पृहेरीप्सित:
D. ब्रह्मण: प्रजा: प्रजायन्ते	4. पराजेरसोढ:

विकल्पा :

(a) A – 3, B – 4, C – 1, D – 2
(b) A – 4, B – 3, C – 1, D – 2
(c) A – 1, B – 3, C – 4, D – 2
(d) A – 2, B – 4, C – 3, D – 1

110. ये रसस्याङ्गिनो धर्मा: शौर्यादय इवात्मन: । उत्कर्षहेतवस्ते ..... कारिकायामस्यां कस्य लक्षणं निगदितं विद्यते ?

(a) रसानाम्
(b) अलङ्काराणाम्
(c) रीतीनाम्
(d) गुणानाम्

111. अधोलिखितं कथनद्वयमाश्रित्य समुचितमुत्तरं चिनुत ।

कथनम् I : स पर्यगाच्छुक्रमकायमव्रणमस्नाविरँ शुद्धमफपविद्धम् ।

कथनम् II : कविर्मनीषीपरिभूः स्वयम्भूर्याथातश्यतोऽर्थान् व्यदधाच्छाश्वतीभ्यः समाभ्यः ।।

समुचितं विकल्पं चिनुत ।

(a) I & II उभे अपि असत्ये

(b) I सत्यम् II असत्यम्

(c) I असत्यम् II सत्यम्

(d) I & II उभे अपि सत्ये

112. यस्मिन् काले योगिराजः मुनिभिः वार्तां करोति स्म ।

(a) विक्रमस्य (b) जहाँगीरस्य

(c) अकबरस्य (d) अवरङ्गजीवस्य

113. रामायणेन सम्बद्धं नाटकं किमस्ति ?

(a) वेणीसंहारम् (b) उत्तररामचरितम्

(c) मृच्छकटिकम् (d) कर्णभारम्

114. शून्यवादः दर्शनेन सह सम्बद्धो विद्यते ।

(a) जैनदर्शनेन सह (b) बौद्धदर्शनेन सह

(c) वेदान्तदर्शनेन सह (d) चार्वाकदर्शनेन सह

115. किरातार्जुनीयस्य प्रथमसर्गे श्लोकाः सन्ति

(a) त्रिपञ्चाशत्

(b) चतुश्चत्वारिंशत्

(c) सप्तचत्वारिंशत्

(d) षट्चत्वारिंशत्

116. अधोलिखितेषु अशुद्धं चिनुत ।

(a) पच् + क्त = पक्वः

(b) खाद् + क्त = खादत्

(c) शुष + क्त = शुष्कः

(d) क्षै + क्त = क्षायः

117. अधोलिखितं कथनद्वयमाश्रित्य समुचितमुत्तरं देयम् / चिनुत ।

कथनम् I : यस्मिन् सर्वाणि भूतानि, आत्मैवाभूद्विजानतः ।

कथनम् II : तत्र को मोहः कः शोक: एकत्वमनुपश्यतः ।

समुचितं विकल्पं चिनुत ।

(a) I & II उभे अपि असत्ये

(b) I सत्यम् II असत्यम्

(c) I असत्यम्, परन्तु II सत्यम्

(d) I & II उभे अपि सत्ये

118. प्रथमसूचीं द्वितीयसूच्या सह मेलनं कृत्वा शुद्धं विकल्पं चिनुत ।

सूची – I	सूची – II
A. हेतुप्रयोगे	1. पञ्चमी
B. चर्मणि द्वीपिनं हन्ति	2. षष्ठी
C. आख्यातोपयोगे	3. सप्तमी
D. फलप्राप्तौ	4. तृतीया

विकल्पाः

(a) A – 2, B – 3, C – 1, D – 4

(b) A – 3, B – 2, C – 4, D – 1

(c) A – 4, B – 3, C – 2, D – 1

(d) A – 3, B – 4, C – 2, D – 1

119. ''रहस्यं साधूनामनुपधि विशुद्धं विजयते'' इति सूक्तिः कुत्र वर्णिता ?

(a) उत्तररामचरिते (b) नैषधीयचरिते

(c) स्वप्नवासवदत्ते (d) वेणीसंहारे

120. ''भूजानिः'' इत्यस्य विग्रहं चिनुत ।

(a) भूः जाया यस्य सः

(b) भूः जाता यस्य सः

(c) भूः जनकः यस्य सः

(d) भूः जानिः यस्य सः